University in News on 20 January 2021

TOI PAGE 2

Extend time to make harassment plaint: NCW chief

Times News Network

Lucknow: Chief of the National Commission for Women (NCW) Rekha Sharma on Tuesday said that a large number of sexual harassment complaints are received from victims pursuing research in higher education institutes and these need to be taken seriously.

Sharma was speaking at Lucknow University's Malviya Hall, addressing members of the Internal Complaints Committee (ICC) of around 30

Rekha Sharma addresses members of ICC at LU

state and central education and research institutions in Lucknow.

Sharma also recommended certain changes in the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. "The time frame of three months within which a victim of sexual harassment has to file a complaint should be increased. This will promote more victims to take a stand for themselves and reach out for help," she said.

"ICC should also strongly discourage any compromise between the victims and the offender because it does not serve the Act's purpose," she added.

Head of ICC at LU Prof Sheela Mishra said, "The NCW chief also exhorted committee members to realise the power of ICC and by using that power take note of all types of big and small complaints so that the burden on the commission and the courts is shared."

The workshop was jointly organised by UP State Women's Commission (UPSWC) and LU in view of the ongoing Mission Shakti campaign of the government.

"The ICCs can play an important role in dispelling gender equality in workplace and in making women independent and powerful," said vice president of UPSWC Sushma Singh.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विश्वविद्यालयों में शोध के क्षेत्र में सबसे ज्यादा यौन उत्पीड़न

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा- विरोध पर रोकी जाती है पीएचडी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। विश्वविद्यालयों में होने वाले शोध और पीएचडी में यौन उत्पीड़न के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। गिव एंड टेक का दबाव डाला जाता है। विरोध करने पर उनकी पीएचडी रोक दी जाती है। यह बात राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में मिशन शक्ति के तहत आयोजित कार्यशाला में कहीं। वह मुख्य अतिथि थीं।

रेखा शर्मा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में यौन उत्पीड़न की बराबर शिकायतें आती रहती हैं। इन मामलों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संस्थानों में आंतरिक समिति का रोल बहुत जरूरी है। महिलाएं काम पर जाती हैं तो कई बार यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। 10 से ज्यादा कर्मियों वाले सभी विभागों में आंतरिक शिकायत समिति बनाना अनिवार्य है। इसके बावजूद बहुत से ऐसे संस्थान हैं, जहां 10 से ज्यादा लोग काम करते हैं पर वहां या तो आंतरिक कमेटी नहीं हैं अगर है भी तो ठीक से काम नहीं करती। समिति में कम से कम चार सदस्य होने चाहिए, लेकिन किसी ने 11 तो किसी ने सात सदस्य रखे हुए हैं। लविवि की आंतरिक शिकायत समिति की चेयरपर्सन प्रो. शीला मिश्रा ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत 100 दिन के कार्यक्रम कर चुके हैं। विवि की आंतरिक शिकायत समिति के सामने शिकायत आती है तो तुरंत निस्तारण करने का प्रयास किया जाता है।

इस मौके पर विद्यांत पीजी कॉलेज, नेशनल पीजी कॉलेज, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, बीबीडी, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट, बीबीएयू, केजीएमयू सहित कई संस्थानों के आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य मौजूद थे।

लविवि में आयोजित कार्यशाला में मौजूद राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष व अन्य लोग।

छोटी शिकायतों पर ध्यान दें तो रुक सकती हैं बड़ी घटनाएं

रेखा शर्मा ने कहा कि कई बार घटना होने पर सीनियर दबाव बनाते हैं लेकिन सदस्यों को दबाव में नहीं आना चाहिए। उनके अनुसार अगर छोटी-छोटी शिकायत पर ध्यान दिया जाए तो फिर बड़ी घटनाएं रोकी जा सकती हैं। आंतरिक समिति का काम जागरूकता फैलाना है। गंभीरता के साथ सभी मामलों का निस्तारण करना चाहिए। किसी भी तरीके से समझौता नहीं होना चाहिए।

लविवि करेगा इंस्टीट्यूट ऑफ वेटरनरी साइंस की स्थापना

एनिमल हस्बैंडरी समेत लघु उद्योगों पर आधारित तकनीक भी उपलब्ध कराएगा विश्वविद्यालय

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कला, वाणिज्य और विज्ञान जैसे परंपरागत विषयों के बाद इंजीनियरिंग जैसे प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में अपनी धाक जमाने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब वेटरनरी साइंस में भी प्रवेश करने की तैयारी कर ली है। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने यहां इंस्टीट्यूट ऑफ वेटरनरी साइंस की स्थापना करने जा रहा है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय एनिमल हस्बैंडरी समेत कई लघु उद्योगों पर आधारित तकनीक भी उपलब्ध कराएगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि में शोध के लिए संस्थान संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत लविवि में नैनो साइंस, जेनेटिक्स जैसे संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब इंस्टीट्यूट ऑफ वेटरनरी साइंस की शुरुआत की जा रही है। इसमें पशु-पक्षियों में होने वाली बीमारियों, इलाज पर आधारित बैचलर और परास्नातक पाठ्यक्रम के साथ ही पीएचडी भी कराई जाएगी। प्रदेश में पशुओं की संख्या काफी है, लेकिन उनसे संबंधित पेशेवर की काफी कमी है। इसलिए इस क्षेत्र के पेशेवर तैयार करने के साथ ही उन्नत शोध करने की जरूरत है। लविवि अपने इस संस्थान के माध्यम से ये दोनों काम करेगा।

- **कृषि संकाय स्थापित करने की राह में आड़े रही जमीन की कमी**

लखनऊ विवि में काफी समय से कृषि संकाय स्थापित करने की योजना तैयार की जा रही है, लेकिन इसकी राह में जमीन की कमी आड़े आ रही है। असल मे कृषि संकाय के लिए कम से कम 15 एकड़ खेती लायक जमीन की जरूरत होती है। लविवि के दोनों परिसर में इसकी व्यवस्था नहीं है। इसलिए लविवि इस दिशा में आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

- **पशुपालन के वैज्ञानिक तरीके बताएगा विश्वविद्यालय**

लविवि संस्थान की स्थापना के साथ ही पशुपालन के वैज्ञानिक तरीकों पर भी काम करेगा। गाय, बैल, भैंस, भेड़, बकरी, मुर्गी, हाथी, घोड़े और ऊंट जैसे उपयोगी पशुओं के पालन-पोषण की वैज्ञानिक तकनीक का उपयोग करके लोग लाभ उठा सकते हैं।

जल्द दिया जाएगा मूर्त रूप

"वेटरनरी साइंस की उपयोगिता को देखते हुए लविवि ने इसके इंस्टीट्यूट की स्थापना करने का फैसला किया है। जल्द ही इसे मूर्त रूप दिया जाएगा।

-प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

पर्यटन उद्योग के लिए मददगार बनेगा संस्थान

लखनऊ। लविवि पर्यटन की शिक्षा देने के साथ ही अब पर्यटन उद्योग को स्थापित करने में मददगार भी बनेगा। इसके लिए लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के साथ मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और इंडियन एसोसिएशन टूर ऑपरेटर्स की ओर से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड चैप्टर के अध्यक्ष प्रतीक हीरा ने हस्ताक्षर किए।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के साथ हुआ एमओयू

कुलपति ने कहा कि इस समझौते से विवि का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा के बीच अंतर को कम करना है। इससे विद्यार्थियों के लिए बेहतर अवसर पैदा होंगे। तीन साल के एमओयू की अवधि के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज और आईएटीओ उद्योग और शिक्षाविदों के बीच संपर्क बनाने में एक-दूसरे की सहायता करेंगे। संस्थान के छात्रों को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर भी मिलेंगे। इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज की समन्वयक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने कहा कि आईएटीओ लविवि के पर्यटन संस्थान के लिए अनुसंधान और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन, पाठ्यक्रम संरचना को डिजाइन करने में सहयोग करेगा। इससे विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी में अच्छा करने के साथ ही स्वरोजगार स्थापित करने के लायक भी बन सकेंगे। इस मौके पर प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. डीएनएनएस यादव, डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

देश में कहीं भी कर सकेंगे इंटर्नशिप

नए परिसर में संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म में बीबीए टूरिज्म और पीजी में मास्टर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट की पढ़ाई होती है। इनमें करीब 300 छात्र-छात्राएं हैं। इंस्टीट्यूट की कोऑर्डिनेटर अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि अभी तक बीबीए टूरिज्म में चौथे सेमेस्टर के बाद दो महीने की इंटर्नशिप होती है। वहीं, पीजी में मास्टर ऑफ टूरिज्म एवं ट्रेवल्स मैनेजमेंट में एक साल की इंटर्नशिप होती है। एमओयू के बाद छात्र-छात्राओं को देश में कहीं पर भी इंटर्नशिप करने में मदद मिलेगी।

अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल निबंध लेखन प्रतियोगिता में दिव्यांशु अव्वल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल राष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में गुजरात राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के छात्र दिव्यांशु चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय विधि विद्यालय ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बंगलुरू की आरती गुप्ता द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता अटल बिहारी वाजपेयी के 96वें जन्मदिवस पर हुई थी। इसमें में देशभर से 60 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। मंगलवार को पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सीतापुर के सिविल जज रजत शुक्ला थे। निर्णायक मंडल में एमिटी यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर शैवालिनी सिंह रहीं। लविवि मूट कोर्ट एसोसिएशन के संयोजक निशांत वीर सिंह ने रिजल्ट घोषित लिया। मानसी सिंह ने आभार जताया।

शोधार्थियों पर दबाव बनाना चिंताजनक

लखनऊ। शोध संस्थानों में यौन उत्पीड़न की घटनाएं चिंताजनक हैं। शोधार्थियों पर 'गिव एंड टेक ' का दबाव डाला जाता है। इनकार पर शोध कार्य को रोक दिया जाता है। यह कहना है राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा का। वह लविवि में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम विषय पर केंद्रीय तथा राज्य विश्वविद्यालयों एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की आतंरिक समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों के लिए आयोजित कार्यशाला में बोल रहीं थी। उन्होंने कहा कि महिलाएं काम पर जाती हैं तो कई बार यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। इसलिए आंतरिक समिति बनानी जरूरी है।

NBT PAGE 6

एलयू और टूर ऑपरेटर्स असोसिएशन में करार

■ एनबीटी, लखनऊः इंडियन असोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स और एलयू के इंस्टिट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज के बीच मंगलवार को एमओयू हुआ। इस पर एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और असोसिएशन के प्रतीक हीरा ने साइन किए। तीन वर्ष के एमओयू के तहत विद्यार्थियां को रोजगार के अवसर भी मुहैया करवाए जाएंगे। इस मौके पर प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. डीएनएनएस यादव, डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 8

लविविः 29 से होंगी बीटेक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं

कार्यक्रम जारी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बीटेक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षाएं 29 जनवरी से शुरू होंगी। 1 घंटे का पेपर होगा। परीक्षा सुबह की पाली में 10 से 11 के बीच आयोजित की जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से आयोजित कार्यक्रम के तहत 8 फरवरी तक परीक्षा कराई जाएगी।

वहीं इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की एमबीए तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 जनवरी से शुरू होकर 10 फरवरी तक चलेंगी। परीक्षाएं विश्वविद्यालय के आइएमएस परिसर में होंगी। इनका समय सुबह 10 बजे से 11 बजे तक होगा। इसमें एमबीए तीसरे सेमेस्टर की फाइनेंस एंड कंट्रोल, एमबीए ह्यूमन रिसोर्स एंड इंडस्ट्रियल रिलेशन और एमबीए मार्केटिंग विषय शामिल हैं।

एलएलबी इंटीग्रेटेड के नौवें सेमेस्टर की परीक्षा 29 जनवरी से शुरू होगी। परीक्षा दोपहर 2 बजे से आयोजित की जाएगी। परीक्षा की समय सीमा डेढ़ घंटे निर्धारित की गई है। एलएलबी इंटीग्रेटेड के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 28 जनवरी से शुरू होगी। इसके साथ ही एलएलबी के अन्य पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम भी जारी किया गया है।

छात्रों को मिलेगा देश में इंटर्नशिप का मौका

लविवि के पर्यटन विभाग के छात्रों को देश भर में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय और इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ टूरिज़्म स्टडीज़ लखनऊ विश्वविद्यालय में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने भी हस्ताक्षर किए। इंडियन एसोसिएशन टूर ऑपरेटर्स की ओर से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड चैप्टर के अध्यक्ष प्रतीक हीरा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

PIONEER PAGE 4

यौन शोषण के मामलों में आंतरिक समिति की भूमिका अहमः रेखा शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि कई संस्थानों में आंतरिक समिति का रोल बहुत जरूरी है। महिलाएं काम पर जाती हैं तो कई बार यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। बहुत से ऐसे संस्थान हैं, जिनमे 10 से ज्यादा लोग काम करते हैं। वहां आंतरिक कमेटी नहीं हैं या हैं तो ठीक से काम नहीं करती हैं। अगर कोई घटना होती है तो ये प्रूफ करना पीड़ित महिला का काम नहीं, आंतरिक समिति का है। मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध) अधिनियम 2013 के अंतर्गत गठित स्थानीय परिवाद समिति की कार्यशाला को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने सम्बोधित किया। उन्होंने यौन उत्पीड़न के मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि रिसर्च डिपार्टमेंट में ज्यादा शिकायतें आती हैं। उनकी रिसर्च रोक दी जाती है। गिव एंड टेक का दबाव डाला जाता है। इन मामलों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये समिति को जांचना होगा। समिति में कम से कम 4 सदस्य होने चाहिए। लेकिन किसी ने 11 तो किसी ने सात बना लिए। किसी घटना में सीनियर दबाव बनाते हैं, लेकिन सदस्यों को दबाव में नहीं आना चाहिए। राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने आंतरिक समिति की कार्यप्रणाली, उसके महत्व पर प्रकाश डाला और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्त्री सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखते हुए शुरू किये गए अभियान मिशन शक्ति के सुदृढ़ीकरण में आंतरिक शिकायत समिति किस प्रकार एक सकारात्मक भूमिका निभा सकती है से भी अवगत कराया।

THE PIONEER PAGE 4

Varsity attracting foreign students

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University is attracting a large number of foreign students who are joining various courses under several schemes of ICCR. Director of International Collaboration and International Student Advisor, Lucknow University, RP Singh from the English department said that they are working on the university's vision and their efforts would be to attract more and more students.

He said that 59 international students have already joined LU since November last year and four more are slated to join within the next fortnight.

"These 59 students are from various African countries such as Kenya, Uganda, Laos, Afghanistan, Taiwan etc. The four which are scheduled to arrive include three from African countries and one from Thailand," he said. He added that they have given admission to 80 students, but it depends on clearance from respective embassies.

Citing the reasons why these students are opting for Lucknow University, Singh said: "Our grading has increased and we have a good ranking amongst higher education institutes. Besides, the research work, culture and Lucknow city attract the students. The quality of education, facilities which we are providing and the initiatives of the vice-chancellor also help," he said. He added that the foreign students have joined the departments of English, Commerce, Management, Botany, Physics, Chemistry, Public Administration and Law.

He pointed out said they have recently established Centre of International Affairs. "We will have several programmes and add-on courses for students. We will also survey their requirements and then do some post-doc courses for them, We will also publish an international journal with these students," he said. Singh said they have big plans for the foreign students. "We will be starting a cross-cultural dialogue. We will let them share their culture and we will also share our culture to create what is called cultural diplomacy. When we talk about global scenario, youths from different parts of the world should come together and talk about environment and other concerns," he said.

LU signs MoU with IATO

Lucknow (PNS): Lucknow University and Indian Association of Tour Operators signed an MoU at the Institute of Tourism Studies on Tuesday. The MoU was signed by LU Vice-Chancellor Prof AK Rai and chairman of Indian Association Tour Operators (IATO), Uttar Pradesh and Uttarakhand Chapter, Prateek Hira.

On the occasion, the LU vice-chancellor said that through this MoU, the university aims at bridging the gap between the industry and academia and create better opportunities for students.

"The MoU is for a duration of three years. Institute of Tourism Studies and IATO will assist each other in creating a closure interaction between the industry and academia. Student of the institute will also get opportunities of employment and training," he said. Coordinator of Institute of Tourism Studies Anupama Srivastava said IATO will contribute in designing of course structure, conducting research and special training programme for the institute.

Hira said IATO will benefit as the faculty of the institute will assist in conducting training programme for IATO members from time to time.

i-NEXT PAGE 5

बीटेक थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम 29 से

LUCKNOW(19 Jan):एलयू ने फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत संचालित बीटेक थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम का शेड्यूल जारी कर दिया. एग्जाम 29 जनवरी से शुरू होकर आठ फरवरी तक चलेंगे. इसका समय सुबह 10 से 11 बजे तक होगा. यूनिवर्सिटी के परीक्षा विभाग ने वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर विस्तृत कार्यक्रम अपलोड कर दिया है. इंजीनियरिंग फैकल्टी के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता ने बताया कि बीटेक थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाएं यूनिवर्सिटी के जानकीपुरम स्थित नए परिसर में होंगी. परीक्षा का समय एक घंटे का होगा. इसमें आब्जेक्टिव प्रश्न होंगे. 70 प्रश्नों में से 35 हल करने होंगे. 50 फीसद की च्वाइस रहेगी. प्रत्येक प्रश्न के दो अंक निर्धारित हैं. उन्होंने बताया कि बीटेक थर्ड सेमेस्टर में लेट्रल एंट्री वाले छात्रों को छोड़कर सभी की परीक्षाएं होंगी. परीक्षाएं 11 दिन तक चलेंगी. इसके प्रवेश पत्र भी जल्द ही जारी होंगे.

JAGRAN CITY PAGE I & III

बीटेक थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जनवरी से

लखनऊ : लविवि ने फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत संचालित बीटेक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। परीक्षाएं 29 जनवरी से शुरू होकर आठ फरवरी तक चलेंगी। इसका समय सुबह 10 से 11 बजे तक होगा। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने वेबसाइट पर विस्तृत कार्यक्रम अपलोड कर दिया है। इंजीनियरिंग फैकल्टी के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता ने बताया कि बीटेक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं जानकीपुरम स्थित नए परिसर में होंगी। (जासं)

पीजी में शुरू हुई सीबीसीएस से पढ़ाई

लखनऊ : लविवि में पहली बार परास्नातक पाठ्यक्रमों में च्वाइस बेस क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) से पढ़ाई शुरू हुई। अब छात्र अपने विषय के साथ ही दूसरे वर्ग के विषय भी पढ़ सकेंगे। इसके लिए उन्हें क्रेडिट दिया जाएगा। डीन एजुकेशन प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि एमए प्रथम सेमेस्टर में कई विभागों में कक्षाएं सीबीसीएस से चल रही हैं। कुछ जगह अगले सप्ताह से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। (जासं)

26 को 9.15 बजे ध्वजारोहण

लखनऊ : लविवि में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को कला संकाय प्रांगण में सुबह 9.15 बजे कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ध्वजारोहण करेंगे। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स सलामी भी देंगे। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों को समय से कार्यक्रम में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं। (जासं)

अब देशभर के पर्यटन को जानेंगे लविवि के छात्र, करेंगे इंटर्नशिप

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के साथ एमओयू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के टूरिज्म विभाग के छात्र-छात्राएं अब इंटर्नशिप के लिए सिर्फ लखनऊ या दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहेंगे। अब उन्हें देशभर में इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर मिलेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के न्यू कैम्पस स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज और पर्यटन मंत्रालय से संबद्ध इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के साथ मंगलवार को एमओयू साइन हो गया।

लविवि के नए परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज संचालित है। यहां स्नातक में बीबीए टूरिज्म और पीजी में मास्टर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट का कोर्स पढ़ाया जाता है। इनमें करीब 300 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इंस्टीट्यूट की को-आर्डिनेटर अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि अभी तक बीबीए टूरिज्म में चौथे सेमेस्टर के बाद दो महीने की ट्रेनिंग होती है। वहीं, पीजी में मास्टर ऑफ टूरिज्म एवं ट्रैवल्स मैनेजमेंट में एक साल के बाद ट्रेनिंग का प्राविधान है। छात्र-छात्राओं को लखनऊ और दिल्ली में ही यह ट्रेनिंग कराई जाती है, लेकिन अब एमओयू होने के बाद इसका दायर बढ़ जाएगा। स्किल डेवलपमेंट के लिए छात्र-छात्राएं इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के सहयोग से देश में कहीं पर भी इंटर्नशिप के लिए जा सकेंगे। इसकी अवधि भी बढ़ेगी। छात्रों को देश में पर्यटन के बारे में जानने का मौका मिलेगा।

इसके अलावा उन्हें प्लानिंग टूर, मार्केटिंग, कस्टमर रिलेशनशिप सहित कई पदों पर प्लेसमेंट के भी अवसर मिलेंगे। वहीं, एमओयू होने पर एसोसिएशन की जरूरत के मुताबिक विश्वविद्यालय कोर्स, वर्कशॉप भी शुरू कराएगा। डॉ.अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि एमओयू तीन साल की अवधि के लिए है। इससे संस्थान के छात्रों को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर भी मिलेंगे। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड चैप्टर के चेयरमैन प्रतीक हीरा और लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर इंडस्ट्रियल रिलेशनशिप, कंसल्टेंसी प्रोग्राम और रिसर्च को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। एमओयू के मौके पर डीन एकेडमिक प्रो. अरविंद मोहन, निदेशक न्यू कैम्पस प्रो. डीएनएनएस यादव और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, फैकल्टी ऑफ योगा एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के इंचार्ज प्रो. नवीन खरे भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय व इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर आपरेटर उप्र-उतराखंड चैप्टर के अध्यक्ष प्रतीक हीरा ने समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया ● जागरण

'शोध विभाग में सबसे ज्यादा आ रहीं यौन उत्पीड़न की शिकायतें'

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने यौन उत्पीड़न के मामलों पर चिंता जताई। कहा कि शोध विभाग में ज्यादा शिकायतें आती हैं। उनकी रिसर्च रोक दी जाती है। 'गिव एंड टेक' का दबाव डाला जाता है। इन मामलों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। वह मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं।

अध्यक्ष ने कहा कि महिलाएं काम पर जाती हैं तो कई बार यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। बहुत से ऐसे संस्थान हैं, जिनमें 10 से ज्यादा लोग काम करते हैं। वहां आंतरिक कमेटी नहीं हैं। है तो ठीक से काम नहीं करती। अगर कोई घटना होती है, तो ये साबित करना पीड़ित महिला का काम नहीं, आंतरिक समिति का है। ये समिति को जांचना होगा। आंतरिक समिति में कम से कम चार सदस्य होने चाहिए। इसमें कम से कम दो सदस्य संस्थान के बाहर से होने जरूरी हैं, लेकिन किसी ने 11 तो किसी ने सात बना लिए।

दबाव में न आएं सदस्य: किसी घटना में सीनियर दबाव बनाते हैं, लेकिन सदस्यों को दबाव में नहीं आना चाहिए। अगर सदस्य छोटी-छोटी शिकायतों पर काम कर लें तो बड़ी घटनाएं रोकी जा सकती हैं।

मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रमः लविवि की आंतरिक शिकायत समिति की चेयरपर्सन प्रो. शीला मिश्रा ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत 100 दिन के कार्यक्रम किए जा चुके हैं। विवि की आंतरिक शिकायत समिति के सामने यदि शिकायत आती है तो तुरंत निस्तारण के प्रयास किए जाते हैं। कार्यक्रम में विद्यांत पीजी कालेज, नेशनल पीजी कालेज, उर्दू अरबी फारसी विवि आदि संस्थानों के सदस्य शामिल रहे।

लविवि के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करतीं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ● जागरण

नहीं हो रहा विशाखा गाइडलाइन्स का पालन

जासं, लखनऊ : कार्यस्थल पर होने वाले यौन उत्पीड़न के खिलाफ 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ निर्देश जारी किए थे, जिन्हें विशाखा गाइडलाइन्स के रूप में जाना जाता है। शहर के कार्यालयों में इस गाइडलाइन्स को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा।

उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम मुख्यालय में बनी विशाखा कमेटी में आधा दर्जन मामलों की शिकायत हुई थी। तत्कालीन चेयरमैन और सदस्यों ने मामले की जांच की थी। दो मामले ड्यूटी पर महिला परिचालक के न जाने के कारण की गई शिकायतें थीं। उनका निस्तारण करा दिया गया था। वहीं एक मामले में एआरएम के तबादले के निर्देश दिए गए थे। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में तो कमेटी का गठन ही नहीं किया गया। सहायक निदेशक सेवायोजन सुधा पांडेय ने कहा कि कमेटी की जानकारी नहीं है। उधर, लखनऊ विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न का कोई नया मामला नहीं आया है, लेकिन पिछले साल दो मामले आए थे। विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति की चेयरपर्सन प्रो. शीला मिश्रा ने बताया कि विशाखा गाइडलाइन के अनुसार कमेटी काम कर रही है। बीते सितंबर में मुझे पूर्व चेयरपर्सन प्रो. अमिता कनौजिया से चार्ज मिला था, जिनमें दो मामले उन्होंने जांच के लिए हस्तांतरित किए थे। यह मामले विश्वविद्यालय की फैकल्टी के थे। मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। हमारी कोशिश है कि जल्द रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंप दी जाए।